एससी-एसटी वर्ग के उद्यमियों को आइआइएम देगा प्रशिक्षण

बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम ● 72 घंटे की मैनेजमेंट ट्रेनिंग और 18 घंटे की मेंटरशिप

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के युवाओं को उद्यमिता के लिए तैयार करने के उद्देश्य से नया बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। यह विशेष कार्यक्रम 72 घंटे की मैनेजमेंट ट्रेनिंग और 18 घंटे की मेंटरशिप पर आधारित होगा, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को व्यवसाय विकास, नेतृत्व और वित्तीय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम का संचालन 17 जनवरी से किया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय संचालन की मूल बातें, बाजार विश्लेषण, ब्रांडिंग, निवेश, जोखिम प्रबंधन और स्टार्टअप इकोसिस्टम की समझ विकसित करने पर फोकस रहेगा। कोर्स के दौरान प्रतिभागियों को ऐसे व्यावहारिक अनुभव भी कराए जाएंगे, जो उनके भविष्य के उद्यम को मजबूत आधार देने में मदद करेंगे।

99 हजार रुपये एमएसएमई मंत्रालय की ओर से : यह कार्यक्रम नेशनल एससी-एसटी हब और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें

आइआइएम रायपुर। ● फाइल फोटो

99,000 रुपये की पूरी फीस नेशनल एससी-एसटी हब वहन करेगा, यानी प्रतिभागियों को कोई कोर्स फीस नहीं देनी होगी। उद्यमियों को केवल 7,500 रुपये का पंजीकरण शुल्क जीएसटी सहित जमा करना होगा। इस प्रोग्राम में कुल 72 घंटे की संरचित ट्रेनिंग और 18 घंटे की विशेषज्ञ मेंटरिंग शामिल है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को व्यवसाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी और कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

दो सप्ताह तक मिलेगा प्रशिक्षण : प्रदेश से पहुंचे लगभग 50 उद्यमियों के लिए दो सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आइआइएम में आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागी पूरे समय कैंपस में ही रुकेंगे और उनके रहने, खाने, पाठ्य सामग्री तथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। कुल 90 घंटे के इस कार्यक्रम को दो हफ्तों में विभाजित किया गया है, जिसमें उद्यमियों को व्यवसाय प्रबंधन, नेतृत्व, बाजार समझ और वित्तीय कौशल से जुड़े सत्र कराए जाएंगे। विशेषज्ञ ट्रेनर और मेंटर्स प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव आधारित सीख प्रदान करेंगे, जिससे वे अपने भविष्य के उद्यम को मजबूत आधार दे सकें।

प्रोग्राम से जुड़ी प्रमुख जानकारी

- बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम
- उद्यमिता को बढ़ावा देना उद्देश्य
- अंतिम तिथि 15 दिसंबर-2025
- शुरुआत – 17 जनवरी 2026
- 72 घंटे ट्रेनिंग, 18 घंटे मेंटरशिप
- सीट- 50

50 उद्यमियों के लिए यह प्रोग्राम लांच किया जा रहा है। फीस नेशनल एससी-एसटी हब देगी। उद्यमी को पंजीकरण शुल्क देना होगा।

– संजीव पराशर, निदेशक, आइआइएम

लाइव केस स्टडी से दिया जाएगा प्रशिक्षण

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एससी-एसटी समुदाय के उद्यमियों को उनके व्यवसायों को जीविका चलाने वाले स्तर से ऊपर उठाकर उन्हें तेजी से बढ़ने और बड़े स्तर पर विस्तार करने योग्य उद्यमों में परिवर्तित करने में मदद करना है। इसके लिए, प्रतिभागियों को लाइव केस स्टडीज, समूह गतिविधियों और पर्सनल मेंटरशिप के माध्यम से ज्ञान, प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक रूप से पिछड़े तबकों के युवा व्यवसाय जगत में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनें और सफलतापूर्वक अपना स्टार्टअप स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ें, जिससे वे नए बाजारों में फैल सकें और अधिक मुनाफा कमा सकें।

Naidunia 02 Dec, 2025 pn 04